वर्षः 7- अंकः 206, मुंबई, शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त TM

अब हर सच होगा उजागर

बच्चों की खुशी से हमें संतोष व शांति

सुंदरी ठाकुर और दिलशाद एस. खान का आत्मबोध!

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

कितनी सस्ती हैं मुस्लिम लड़कियां?

मेहर की मेहरबानी नहीं

सम्पत्ति में चाहिए बराबरी का हक

मुंबई। आज एक तरफ जहां पूरे देश में बदलाव की लहर है तो कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां बदलाव की सख्त जरूरत है। वह चाहे सामाजिक स्तर पर हो अथवा न्यायिक स्तर से हो। इनमें एक प्रमुख है इस्लाम में मेहर की व्यवस्था। बेशक आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास और पहल से आज तीन तलाक मुद्दे से मुस्लिम औरतों ने निजात तो पा ली परंतु उन्हें अब भी एक और मसले का निदान ढूढ़ना है जिसके लिए उन्हें ही आगे आना होगा। ऐसा सोचना है **दैनिक मुंबई हलचल** के संपादक व समाजसेवी दिलशाद एस. खान का जिन्होंने तीन तलाक के बाद अब मेहर खिलाफ मुस्लिम महिलाओं को एक जुट करने में जुटे हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

आरुषि हत्याकांड

वेलकम मिस्टर एंड मिसेज तलवार

इलाहाबाद। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आरुषि-हेमराज हत्याकांड मामले में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में सीबीआई की विशेष अदालत का निर्णय रद्द करते हुए राजेश तलवार और नुपुर तलवार को निर्दोष करार दिया। यह घटना 2008 में घटी थी और इसकी जांच सीबीआई नेकी थी। (शेष पृष्ठ 5 पर)

नौकरों पर थी शक की सुई

31 मई, 2008 को आरुषि-हेमराज मर्डर केस की जांच सीबीआई के हवाले कर दी गई। कत्ल के आरोप में डॉक्टर राजेश तलवार सलाखों के पीछे थे। आरुषि केस देश भर में सुर्खियां बना हुआ था। तलवार का नार्को टेस्ट हुआ। शक की सुई तब तक तलवार से हटकर उनके नौकरों और कंपाउंडर तक पहुंच गई थी। तलवार परिवार के करीबी दुरानी परिवार का नौकर राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

(समाचार पृष्ठ 5 पर)

एल्फिस्टन हादसा

दोषियों को सजा नही मिलेगी तो आंदोलन करता रहूंगाः वारिस पठान

खार पश्चिम के चार होटलों पर शरद उघाड़े की खास मेहरबानी

लाखों का हफ्ता लेने का आरोप

होटल दुलाली

शरद उघाड़े
मनपा सहायक आयुक्त (एच/डब्ल्यू)

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हैवानियत: दिव्यांग कोच में चढ़ने पर 8 महीने की गर्भवती को पीटा

मुंबई। अकसर लोकल में पैर रखने की जगह नहीं होती, ऐसे भीड़ को चीरते हुए अंदर घुसने की कोशिश की जाती है। ऐसे में कुछ लोग सहूलियत के लिए दिव्यांग डिब्बे में जगह तलाशते हैं। एक गर्भवती महिला और उसके पति ने यही 'भूल' कर दी और दो लोगों ने उन्हें पीट दिया। यह हैवानियत कुछ लोगों ने मोबाइल में कैद कर ली, लेकिन जीआरपी ने कुछ नहीं किया। घटना कुर्ला और उल्हासनगर के बीच की है। दिनेश तिवारी अपनी पत्नी के साथ दिव्यांग डिब्बे में सफर कर रहे थे। दरअसल, दिनेश की पत्नी अरुणा 8 माह की गर्भवती है। उल्हासनगर के विट्ठलवाड़ी परिसर में रहने वाला दिनेश पिछले शनिवार को गर्भवती पत्नी को लेकर मुंबई के कामा अस्पताल गया था। जहां डॉक्टरों ने अरुणा को 3 दिन भर्ती रखा और कई जांचें कीं। मंगलवार को अरुणा को डिस्चार्ज कर 15 दिन बाद दोबारा आने को कहा। शाम 7 बजे दिनेश पत्नी अरुणा के साथ लौट रहा था। उसने सीएसएमटी स्टेशन से ट्रेन पकड़ी। भीड़ बहुत ज्यादा था, इसलिए गर्भवती पत्नी को भीड़ से बचाने के लिए वह कर्जत जाने वाली डबल फास्ट ट्रेन के दिव्यांग डिब्बे में चढ़ गया। ट्रेन जब कुर्ला स्टेशन पहुंची, तो उसी डिब्बे में दो हट्टे-कट्टे व्यक्ति चढ़े। उन्होंने गर्भवती महिला और उसके पति से विकलांग होने का सबूत मांगा। तब महिला ने कहा कि भीड़ होने के कारण वे इस डिब्बे में चढ़ गए हैं और विट्ठलवाड़ी में उतर जाएंगे। इतना सुनते ही दोनों ने दिनेश को गाली देते हुए पीटना शुरू कर दिया। जब पत्नी छुड़ाने गई, तो उसकी भी लात-घूसों से पिटाई कर दी। गर्भवती को पिटता देख आस-पास के लोग उन दोनों आरोपियों पर टूट पड़े। लोगों का गुस्सा देख घबराए दोनों आरोपी डोंबिवली स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरकर फरार हो गए।

जीआरपी की टालमटोल

ट्रेन जैसे ही डोंबिवली स्टेशन पर रुकी, तब कुछ यात्रियों के साथ दिनेश जीआरपी पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवानी चाही लेकिन, जीआरपी के सीनियर पीआई हीरेमठ 3 घंटे बैठाने के बाद सिर्फ एनसी के तहत मामला दर्ज किया। जब मीडिया ने हीरेमठ से सवाल किया, तब उनका जवाब था कि दोनों अज्ञात आरोपी कुर्ला स्टेशन से चढ़े थे। इसलिए एनसी की जांच कुर्ला जीआरपी करेगी। वहीं, वहां मौजूद लोगों ने जीआरपी मोबाइल वीडियो-फोटो दिखाए।

एलफिंस्टन हादसा

पुल बनाने में हुई देरी, होगी जांच

मुंबई। एलफिंस्टन रोड ब्रिज हादसे में जहां रेलवे ने हादसे के लिए बारिश को दोषी ठहराया है, वहीं इसी स्टेशन पर पुल बनाने में देरी के कारणों को ढूंढने के लिए एक और उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता पूर्व सेंट्रल विजिलेंस कमीशनर (सीवीसी) प्रत्यूष सिन्हा करेंगे। इसके अलावा सीआईआई इकोनॉमिक अफेयर्स काउंसिल के अध्यक्ष विनायक चटर्जी, पूर्व मेंबर इंजिनियरिंग रेलवे बोर्ड सुबोध जैन और वर्तमान सुरक्षा निदेशक रेलवे बोर्ड पंकज कुमार भी समिति के सदस्य होंगे। एलफिंस्टन रोड और परेल को जोड़ते हुए 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज को पूर्व रेलमंत्री सुरेश प्रभु ने 23 अप्रैल 2015 को मंजूरी दे दी थी। इस ब्रिज के निर्माण के लिए 18 महीने पहले ही निविदा निकलने वाली थी लेकिन अब भी इस पर काम नहीं हुआ है। इसी देरी का जांच करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। जानकारों का कहना है कि ब्रिज में देरी होना एक नया विवाद है जिसे ठंडा करने के लिए रेलवे ने समिति बनाई है लेकिन इस परिणाम कुछ ऐसा ही होगा जैसा - 'बारिश के कारण हुआ हादसा।'

गंदे कपड़ों के चलते बीएमसी अस्पतालों में लटके ऑपरेशन

मुंबई। ऑपरेशन थिएटरों में इस्तेमाल होने वाले कपड़े समय पर धुलकर न आने के कारण बीएमसी के अस्पतालों में रोज सैकड़ों ऑपरेशन टाले जा रहे हैं। मरीजों को सर्जरी की तारीख मिलने के बाद भी अस्पताल की बार-बार दौड़ लगानी पड़ती है। हालांकि प्रशासन इस समस्या के हल होने का दावा कर रहा है।

दरअसल ऑपरेशन में औसतन 3-4 बेडशीट और तौलिए समेत करीब 12-15 कपड़ों की जरूरत होती है। केईएम, सायन, नायर अस्पतालों से ही रोज करीब 10,000 कपड़े धोने के लिए जाते हैं। इस समस्या को बाहर लाने वाले नगरसेवक अशरफ आजमी ने बताया कि धुलाई के बाद कपड़े काफी देरी से अस्पतालों में आ रहे हैं। इन्हें धोने में दोगुना समय लग रहा है। इसकी वजह लॉन्ड्री में मशीनों और कामगारों की कमी है।

बीएमसी का बजट 25,000 करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें बीएमसी के 4 प्रमुख अस्पताल और 18 पेरिफेरल अस्पताल आते हैं। आंकड़ों की बात करें तो इनमें साल भर में एक लाख से ज्यादा छोटे-बड़े ऑपरेशन होते हैं। अभी हालात यह हैं कि 6 बंडल कपड़े भेजे जाते हैं, पर धुलकर 1 बंडल आ रहा है।

21 दिन बाद आया नंबर

भाई के पेट की पथरी की सर्जरी के लिए आए यशवंत ने बताया कि उन्हें 20 दिन पहले सर्जरी के लिए बुलाया गया था। फिर इस सोमवार को बुलाया गया था। पर सर्जरी मंगलवार को हो पाई।

तीसरे हफ्ते हुई सर्जरी

पत्नी की सर्जरी के लिए आए अशोक ढाकरे ने बताया कि दो हफ्तों से उन्हें बुधवार को सर्जरी की तारीख दी जा रही थी, लेकिन तीसरे बुधवार को ही सर्जरी हो सकी। रिश्तेदारों के साथ पत्नी की देखभाल कर रहे ढाकरे ने बताया कि अस्पताल से मिलने वाली सुविधाओं में तो किसी भी तरह की कमी नहीं है, लेकिन सर्जरी के लिए इंतजार काफी लंबा हो गया।

महाराष्ट्र में नहीं लगेगी पटाखों पर रोक

मुंबई। महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री और शिवसेना नेता रामदास कदम ने गुरुवार को साफ किया कि महाराष्ट्र में पटाखों पर रोक नहीं लगेगी। बता दें कि मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों की बिक्री पर रोक लगाए जाने का फैसला सुनाए जाने के बाद रामदास कदम ने महाराष्ट्र में पटाखों पर रोक लगाने की बात कही थी, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति होने लगी तो कदम को अपने कदम वापस खींचने पड़े। गुरुवार को उन्होंने कहा कि मुझे हिंदू त्योहारों की चिंता है। लोग किसी तरह की दुविधा में नहीं रहें, महाराष्ट्र पटाखे बंद नहीं होंगे। हालांकि पर्यावरण मंत्री कदम और राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने की शपथ दिलाई थी।

इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी लोगों से अपील की थी कि दिवाली और अन्य त्योहार मनाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे और यह भी सुनिश्चित करें कि इससे वायु और ध्वनि प्रदूषण न हो। इसके बाद शिवसेना सांसद संजय राऊत और मनसे नेता राज ठाकरे ने ने दिवाली के मौके पर पटाखों पर रोक लगाए जाने का विरोध किया था। शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे भी दिल्ली में पटाखों की बिक्री रोक लगाए जाने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से नाराज हैं। गुरुवार को जब उद्धव ठाकरे मेट्रो-3 के काम का जायजा लेने मातोश्री से बाहर निकले, तो पत्रकरों को जवाब देते हुए उद्धव ने व्यंगात्मक लहजे में कहा, अब अदालतों से केवल पंचांगों को फाड़ कर फेंक देने और त्योहारों को आडंबर बताने का फैसला आना बाकी है। मुझे हिंदू त्योहारों की चिंता है। लोग किसी तरह की दुविधा में नहीं रहें, महाराष्ट्र पटाखे बंद नहीं होंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एक और डॉन अंदर

2 बार एनकाउंटर में बची है जान

मुंबई। अंडरवर्ल्ड पर मुंबई क्राइम ब्रांच का शिकंजा कसता जा रहा है। डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर के बाद अब डॉन डी.के राव को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। डॉन छोटा राजन के लिए काम करने वाला डी के राव का दो बार एनकाउंटर में जिंदा बच चुका है। डीके राव के खिलाफ मुंबई के एक बिल्डर ने फिरौती मांगने का आरोप लगाया था। बिल्डर की शिकायत के बाद राव को आईपीसी की धारा 387, 504, 506(2) और 34 के तहत अरेस्ट किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उसे 18 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। रवि मल्लेश वोरा उर्फ डी के राव तकरीबन 20 साल तक जेल की सलाखों के पीछे रहा है। कुछ दिनों पहले ही वह जेल से रिहा हुआ था। कई साल पहले लेडी सिंघम के नाम से मशहूर इंस्पेक्टर मदुला लाड के साथ हुए एनकाउंटर में जब वह घायल हुआ था। उस दौरान उसकी जेब से एक बैंक का फर्जी आई कार्ड मिला था। इसमें उसका नाम डी के राव लिखा हुआ था। तब से अंडरवर्ल्ड में उसे इसी नाम से जाना जाने लगा। मुंबई के एक और सुपरकॉप डी शिवानंदन ने भी एक एनकाउंटर में राव को ढेर करने का प्रयास किया था लेकिन गोली लगने के बावजूद उसकी जान बच गई। दादर में हुए इस एनकाउंटर में चार लोग मारे गए थे।

खार पश्चिम के चार होटलों पर शरद उघाड़े की खास मेहरबानी

लाखों का हफ्ता लेने का आरोप

शरद उघाड़े
मनपा सहायक आयुक्त (एच/डब्ल्यू)

होटल दुलाली

होटल ट्यूनिंग फोर्क

EXCLUSIVE MUMBAI HALCHAL EXCLUSIVE

होटल थ्री वाइज मंकी

होटल क्वार्टर पीलर

मुंबई। मुंबई मनपा का एच/डब्ल्यू विभाग के भ्रष्ट अधिकारी सहायक मनपा आयुक्त शरद उघाड़े की कारतूतों का काला चिट्ठा खुलने के बाद भी मनपा के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किये जाने से लोगों में हैरत व्याप्त है। खार पश्चिम के तीसरे रास्ते पर चल रहे चार होटलों पर अबतक कोई कार्रवाई नहीं होना इस बात को भी दर्शाता है कि इन होटलों की काली कमाई का हिस्सा मनपा में उपर तक पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए खुद सहायक मनपा आयुक्त शरद उघाड़े का नाम लिया जा रहा है।

जबकि एच/पश्चिम के पानी खाता और वैद्यकीय आरोग्य विभाग को भी इस संबंध में कई बार शिकायतें की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम आपको बता दें कि खार पश्चिम स्थित प्लाट नंबर ९ए, राज कुटीर बिल्डिंग, तीसरा रास्ता में दुलाली, थ्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क नाम के चार होटल एक साथ चल रहे हैं मगर इन सब के लाइसेंस एक ही नाम- सम्राट होटल रेस्टोरेंट के नाम पर है और इसके दो मालिक परमजीत सिंह घई और श्रीमती रतनदीप कौर घई हैं। हैरत की बात यह है कि इन चारों होटल के मालिक और मैनेजर को किसी अवैध गतिविधियों के कारण मनपा एच/डब्ल्यू और खार पश्चिम पुलिस थाने के अधिकारियों द्वारा तलब किया जाता है और उनसे होटल संबंधित कागजात दिखाये जाने को कहा जाता है तो वे सभी एक ही नाम सम्राट होटल रेस्टोरेंट का लाइसेंस दिखाकर उन्हें गुमराह करते हैं। जबकि सम्राट होटल बहुत पहले ही बंद हो चुका है। लेकिन यह सब दिखावे की बातें हैं। मनपा एच/पश्चिम के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों ने इन होटलों को अपनी देखरेख में चलाने के काले कारनामे को अंजाम देने में व्यस्त हैं। जानकारी यह भी मिली है कि इन होटलों से होने वाली काली कमाई का बड़ा हिस्सा मनपा के भ्रष्ट अधिकारी अपने उपर के अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। जिसमें मनपा सहायक आयुक्त शरद उघाड़े का नाम सबसे उपर है। इतना ही नहीं, दुलाली, थ्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क इन चारों होटलों ने अपने सामने की खाली पड़ी जमीन और फुटपाथ को भी अपने कब्जे में लेकर उसपर अवैध निर्माण कर लिया है जहां पर उनका शराब का धंधा बिना किसी खौफ के चल रहा है। जबकि दुलाली होटल के उपर बने बेन्क्वेट हॉल को भी इसके मालिक ने शराबखाना में तब्दील कर दिया है। इसके अलावा ट्यूनिंग फोर्क के पहले माले पर अवैध कब्जा करके वहां भी धंधा किया जा रहा है।

आपको बता चुके हैं कि बंद हो चुके सम्राट होटल का लाइसेंस परमजीत सिंह घई और श्रीमती रतनदीप कौर घई के नाम से है, जिन्होंने अपने एक ही पुराने लाइसेंस पर चार-चार होटल खोल रखे हैं और मनपा, पुलिस और लोगों की आखों में धूल झोंक रहे हैं। मुंबई हलचल ने जब इन होटलों की गहराई में जाकर छानबीन की तो यह बात भी सामने आई कि ये चारो होटल मनपा सहायक आयुक्त शरद उघाड़े की शह पर चल रहा है। उनकी विशेष कृपा इन होटलों पर है। पढ़ते रहिए इन होटलों की पूरी जानकारी प्रतिदिन एक-एक करके।

पढ़ते रहिए इन होटलों की पूरी जानकारी प्रतिदिन एक-एक करके

अवैध फेरीवालों पर बरसे राज

कहा- फुटपाथ पर चलने वाले भी मराठी

मुंबई। मुंबई के रेलवे स्टेशनों के आसपास फेरीवालों पर कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने मुंबई महानगर पालिका आयुक्त अजय मेहता से मुलाकात की। राज ने कहा, अवैध फेरीवालों की संख्या ज्यादा है और लाइसेंस लेकर स्टॉल लगाने वालों की संख्या कम, इसलिए अवैध तरीके से धंधा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान राज ने कार्रवाई का विरोध करने वाले मराठी भाषी फेरीवालों पर भी निशाना साधा। कहा- स्टेशन पर से हटाए जाने का विरोध करने वाले मराठी फेरीवालों से मैं पूछना चाहता हूं कि स्टेशन के फुटओवर ब्रिज और फुटपाथ पर चलने वाले लोग कौन हैं? राज ने कहा कि सवाल किसी को बेरोजगार करने का नहीं है लेकिन जो रेलवे के यात्री टैक्स भरते हैं यदि अवैध तरीके से स्टेशनों पर फेरीवालों के बैठने से उनको चलने में मुश्किल होती है तो यह भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हम यह क्यों भूल जाते हैं कि फुटपाथ पर चलने वाले लोग भी मराठी हैं।

शिकायत के लिए जारी हो व्हाट्सएप नंबर

इससे पहले बैठक में राज ने मेहता को एक व्हाटसएप नंबर जारी करने का सुझाव दिया। जिस पर स्टेशनों के आसपास अवैध तरीके से स्टॉल लगाने वाले फेरीवालों के खिलाफ शिकायत की जा सकें।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। **(9619102478)**

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे) **(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

वेलकम तलवार

वर्ष 2008 में आरुषि-हेमराज कत्ल का मामला काफी सुर्खियों में था। कत्ल के इस मामले में कई पेंच थे। मसलन कत्ल के वक्त घर के भीतर सिर्फ चार लोग थे। आरुषि के माता-पिता उनकी पुत्री आरुषि और नौकर हेमराज। घर के अंदर शराब की बोतल मिली थी। नौकर हेमराज की लाश छत पर डाल दी गई थी। और इन दोनों हत्याओं में डाक्टरी के पेशे में प्रयुक्त होने वाले चाकू का इस्तेमाल किय गया था। सीबीआई ने इन सभी वजहों का एक ही मतलब निकाला कि यह दोनों हत्याएं तलवार दंपत्ति (राजेश तलवार और नूपुर तलवार) ने ही की है। परिणाम यह हुआ कि अदालत ने परिस्थिति जन्य तथ्यों के आधार पर तलवार दंपत्ति को मुजरिम ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुना दी। जबकि तलवार दंपत्ति का कहना था कि ये हत्याएं इन्होंने नही की, वे किसी साजिश के शिकार हुए हैं। उन्होंने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। उनकी इसी दलील पर मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा जहां तलवार दंपत्ति को संदेश का लाभ देते हुए उन्हें रिहा कर दिया गया। निश्चित रूप से अदालत का फैसला स्वागत योग्य है। जबकि सीबीआई को इस मामले में फजीहत हुई। अब प्रश्न यह उठता है कि तलवार दंपत्ति ने जो पांच साल जेल में काटे उसकी भरपाई का जिम्मेदार कौन होगा। दूसरा क्या आरुषि-हेमराज के कातिल का पर्दाफाश होगा। क्या इसकी उच्चस्तरीय जांच कराई जा सकेगी। वगैरह-वगैरह। वैसे इस मर्डर मिस्ट्री पर दो फिल्में रहस्य और तलवार भी बन चुकी है। जिसमें रहस्य में तलवार दंपत्ति को मुजरिम करार दिया गया है। जबकि तलवार फिल्म में इन्हें निर्दोष बताया गया। बहरहाल बात फिर वही आ पहुंची है कि आरुषि और हेमराज का कत्ल किसने किया? कत्ल के बाद शराब किसने पी? कत्ल के वक्त तलवार दंपत्ति कहां था और उनकी स्थिति क्या थी?

- दिलशाद एस. खान

वंचितों की धार्मिक आकांक्षा भी समझें

आज की राजनीतिक गोलबंदी एवं सत्ता की राजनीति के केंद्रीय शब्द हैं अस्मिता की चाह और विकास। जब अस्मिता की चाह पर चर्चा होती है तो सामाजिक एवं राजनीतिक अस्मिता की बात होती है, परंतु किसी भी सामाजिक समूह के अस्मिता निर्माण की प्रक्रिया में धर्म की क्या भूमिका होती है, इस पर हम न तो संवेदनशील हैं और न ही सजग। जब भी राजनीतिक दल दलित, वनवासी एवं वंचित समूहों की अस्मिता को समझकर उस पर अपनी राजनीतिक कार्ययोजना बनाना चाहते हैं तो उसमें उनके भीतर बैठी धार्मिक सम्मान की चाह को नजरअंदाज कर देते हैं। दलित एवं उपेक्षित सामाजिक समूहों पर शोध करते हुए हमने पाया है कि उनमें धार्मिक अस्मिता एवं सम्मान की चाह सामाजिक सम्मान की चाह में ही अंतर्निहित है। उनके लिए समाज में सम्मान का मतलब धार्मिक स्पेस में बराबर हिस्सेदारी भी है। ऐसा नही है कि धार्मिक स्पेस की चाह आज जगी है और पहले नहीं थी, बल्कि यह तब से ही पैदा हुई जबसे उनमें अस्पृश्यता के अहसास का उद्भव हुआ। अस्पृश्यता से मुक्ति का संबंध उनके लिए, रोटी-पानी एवं हिंदू धर्म में बराबरी की चाह से ही जुड़ा रहा है। शायद इसीलिए अंबेडकर ने महाड़ सत्याग्रह एवं मंदिरों में प्रवेश जैसे आंदोलन शुरू किए थे। न केवल अंबेडकर ने, बल्कि आर्य समाज एवं आज के भी अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों ने भी दलितों के लिए मंदिर प्रवेश जैसे आंदोलनों की वकालत की। इसी क्रम में कुछ समय पहले तरुण विजय के नेतृत्व में उत्तराखंड के एक मंदिर में दलित प्रवेश आंदोलन को भी देखा जा सकता है।

महात्मा गांधी ने दलितों में निहित हिंदू धर्म में उनकेसम्मान को समझा था और इसके लिए अनेक प्रयास भी किए थे। उसके बाद आर्य समाज के प्रयासों का एक केंद्रीय तत्व दलित, अस्पृश्य एवं वंचितों की धार्मिक अस्मिता का निर्माण कर उन्हें वैदिक संस्कृति से जोड़ते हुए सम्मान दिलाना था। 1920 के आसपास स्वामी अछूतानंद का आदि हिंदू आंदोलन दलितों को धार्मिक अस्मिता प्रदान करने का ही प्रयास था। हमें यह समझना होगा कि ऐसे समूहों को रोटी के साथ ही धार्मिक स्पेस भी चाहिए। ऐसा धार्मिक स्पेस जहां उन्हें बराबरी का अहसास हो, दैनंदिन जीवन के संघर्षों और टकराहट को झेलने के लिए आध्यात्मिक अहसास तो हो ही, बराबरी पर टिके हुए ऐसे भाईचारे का भी अहसास हो जो उन्हें दैनंदिन जीवन एवं समाज में नहीं दिखाई पड़ता। उन्हें ऐसे धार्मिक स्पेस की जरूरत है जहां वे अपने दुखों से उबरने की कामना करते हुए अपने देवता के समक्ष रो सकें। कितना दुर्भाग्य है कि हमने समाज में उन्हें रोने का स्पेस भी नही दिया। जो मार्क्स धर्म को जनता का अफीम कहते हैं वे ही यह भी कहते हैं कि धर्म दुखी हृदय का आर्त पुकार है। अगर कभी आप बनारस में लगने वाले रविदास मेले में जाएं तो रविदास की मूर्ति के सामने लाइन में लगे तमाम महिलाएं-पुरुष अश्रुपूर्ण नेत्रों से रविदास जी की मूर्ति पर सिक्कों से लेकर सोना फेंकते दिखाई देंगे। दलितों में जो समूह आर्थिक रूप से मजबूत भी हो गया है उन्हें भी धार्मिक स्पेस एवं सम्मान की चाह है। रविदास मेले में आपको रोटी-प्याज खाते गरीब के साथ साथ कोट-टाई पहने एनआरआइ भी मिल जाएंगे।

कबीर पंथ, रविदास पंथ, शिवनारायण पंथ ऐसे ही

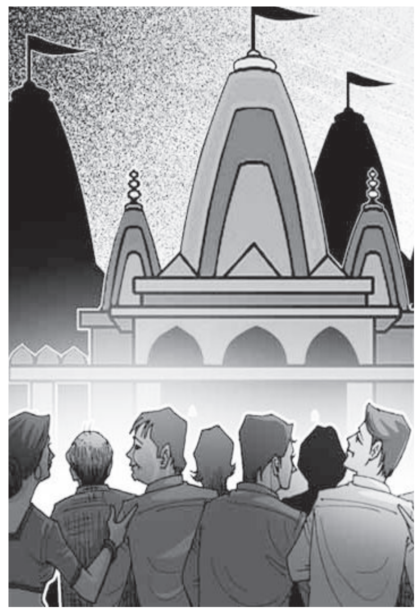

धार्मिक स्पेस हैं जिन्हें उपेक्षित समूहों ने अपने दुख की पुकार के लिए, बराबरी की चाह एवं सामाजिक सम्मान की आकांक्षा से विकसित किया है। दलितों में छिपी इसी चाह को समझते हुए कांशीराम और मायावती ने दलित जनता को अपने साथ जोड़ने के लिए दलित समूहों के संतों और गुरुओं को सम्मान देने की रणनीति पर लंबे समय तक कार्य किया। कबीर, रविदास जैसे संतों की मूर्तियां बनवाईं और उनके स्मृति स्थल विकसित किए। शायद इतना स्पेस भी दलित समाज के लिए काफी नही था। उन्हें और अधिक स्पेस चाहिए था। उन्हें हिंदू धर्म के देवी-देवताओं के भी मंदिर चाहिए। जो आर्थिक रूप से थोड़े मजबूत हैं, उन्हें धार्मिक तीर्थों और धार्मिक उत्सवों को खुलकर मनाने की भी छूट चाहिए। उनमें से अनेक ने बौद्ध धर्म को अपने धार्मिक स्पेस के रूप में अपने लिए आविष्कृत किया ही है। साथ ही गांवों में रहने वाले तमाम दलितों को ह्यअपने कुलदेवता पूजने की भी छूट चाहिए। पहले जहां खेतों-बागों में पीपल के नीचे मिट्टी के चबूतरे पर मूर्ति रखकर पूजा की जाती थी वहां अब छोटे मंदिर विकसित होने लगे हैं। जैसे-जैसे गांवों में दलित-वंचित समूह आर्थिक रूप से थोड़ा बेहतर होता जा रहा है, वैसे-वैसे उन्हें भव्य मंदिर भी चाहिए। शायद इसी भाव की अभिव्यक्ति उनमें विकसित हो रही मंदिर की चाह में प्रस्फुटित होती है।

जयापुरा बनारस केपास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गोद लिया गांव है। वहां मुसहर जाति की एक बस्ती है जिसका नाम अटलनगर रखा गया है। उसके प्रवेश पर ही पेड़ के पास एक छोटा मंदिर बनाया गया है जिसमें शिवजी के साथ शबरी माता की एक छोटी मूर्ति लगाई गई है। गांव में मुहसर जाति के लोग बहुत दिनों से चाह रहे थे कि, काश उनके लिए शबरी माता का मंदिर होता, लेकिन उनके पास शबरी माता का एक छोटा मंदिर बनाने की न तो आर्थिक शक्ति है और न ही सामाजिक शक्ति। आज वे इस मंदिर के बनने से खुश हैं और गर्व से कहते हैं कि पचास कोस तक शबरी माता का दूसरा मंदिर नहीं है। ऐसे ही सपेरा जाति में गोगा पीर का मंदिर बनाने की चाह है जो सांपों के देवता माने जाते हैं, परंतु इसके लिए उनके पास भी आर्थिक-सामाजिक शक्ति नहीं है। वे अगले चुनाव में नेताओं से अपनी यह मांग रखेंगे।

उत्तर प्रदेश में दलितों की अनेक जातियां हैं जिनके अपने-अपने देवता हैं। इन देवताओं के मंदिर अथवा परिसर विकसित होने से उनमें आत्मसम्मान का भाव तो बढ़ता ही है, उन्हें अपना धार्मिक स्पेस भी मिलता है जहां वे अपने लोगों के बीच अपने तौर-तरीकों के पूजा-पाठ कर सकते हैं। बिहार में दुसाध जाति एक प्रभावी दलित जाति है। उनकी बस्तियों के पास आपको अनेक देवी देवताओं के मंदिर तो दिखेंगें ही, वहीं चूहड़मल, सहलेस, राहु एवं गोरेया देव के मंदिर भी मिलेंगे। मैं सिर्फ यह नहीं कहना चाह रहा हूं कि प्रत्येक दलित जाति के जातीय देवताओं के मंदिर हों। मेरा बस इतना कहना है कि अन्य सामाजिक समूहों की तरह दलित एवं वंचित सामाजिक समूहों में भी समाज में धार्मिक स्पेस की चाह रही है और मौजूदा दौर में यह और बढ़ रही है। उन्हें भी धार्मिक बराबरी एवं अपने दुख-दर्द का बयान करने के लिए देवस्थान चाहिए। वे भी हिंदू धर्म के अनेक देवी देवताओं में जिसे चाहें उसे पूजने की छूट चाहते है। वे अपनी जाति से जुड़े कुलदेव का भी मंदिर चाहते हैं। कुछ बौद्ध के रूप में रहना चाहते हैं, कुछ रविदासी, कबीरपंथी एवं शिवनारायणी के रूप में अपनी धार्मिक अस्मिता चाहते हैं। जातीय देवता उनकी अस्मिताओं के महत्वपूर्ण प्रतीक चिन्ह हैं। उनके लिए सम्मानित जीवन का तात्पर्य रोजी-रोटी की बेहतरी के साथ साथ ह्यधार्मिक स्पेसह्ण की प्राप्ति भी है और हमें यह समझना होगा।

नाकामी का सिलसिला

यह अच्छा हुआ कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने फसलों के अवशेष जलाए जाने से रोकने में नाकाम पंजाब सरकार को आड़े हाथ लिया। यह सख्ती जरूरी थी, क्योंकि यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पंजाब सरकार की ढिलाई के चलते राज्य के किसान फसलों के अवशेष खेत में ही जला रहे हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी दिख रही है। हालांकि केंद्र सरकार और साथ ही एनजीटी की ओर से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सरकारों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया था कि इस बार किसान पराली यानी फसलों के अवशेष न जलाने पाएं, लेकिन ऐसा लगता है कि इन राज्यों ने कहीं कोई ध्यान नहीं दिया। ऐसा शायद इसलिए हुआ, क्योंकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की ओर से यह सुनिश्चित नहीं किया गया कि राज्य सरकारें और विशेषकर पंजाब एवं हरियाणा उसके निदेशों की अनदेखी न करने पाएं। समझना कठिन है कि जब केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय पराली जलाने से रोकने के मामले में राज्य सरकारों के नाकारापन से परिचित था तब फिर उसने उन पर दबाव क्यों नहीं बनाया? क्या वह यह मान बैठा है कि पर्यावरण राज्यों के अधिकार क्षेत्र वाला मामला है? यदि नहीं तो फिर उसने निर्देश जारी करके ही कर्तव्य की इतिश्री क्यों की? लोगों की सेहत के लिए खतरा बनने वाले कारणों का निवारण करने में राज्य सरकारों की सुस्ती पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का ढीला-ढाला रवैया यही जाहिर करता है कि प्रदूषण की रोकथाम के मामले में उसकी कथित सजगता दिखावटी ही अधिक है। क्या यह विचित्र नहीं कि जब पराली जलने लगी और वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप लेने लगी तब उसे राज्यों के साथ बैठक करने की जरूरत महसूस हो रही है?

आखिर कितनी बैठकों और आदेशों-निर्देशों के बाद राज्यों को यह साधारण सी बात समझ आएगी कि फसलों के अवशेष, पत्तियों और कूड़ा-करकट को जलने देना एक तरह से मुसीबत को जानबूझकर निमंत्रण देने वाला काम है? सर्दियां निकट आते ही उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ जाने के सिलसिले से अच्छी तरह परिचित होने के बाद भी पंजाब और हरियाणा में पराली जलाया जाना यही बताता है कि यहां की सरकारें अपनी नाकामी का ढिंढोरा पीटने पर आमादा हैं। यह लज्जाजनक है कि पंजाब और हरियाणा ने पराली जलाए जाने के मामले में एनजीटी के आदेश की भी अनदेखी की। इसी कारण पंजाब से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ता दिख रहा है। यदि प्रदूषण के स्तर को बढ़ने से रोका नहीं जा सका तो यह लोगों की सेहत से जानबूझकर किया जाने वाला खिलवाड़ होगा। हालांकि करीब दो दशक पहले ही यह स्पष्ट हो गया था कि सर्दियों के आगमन के साथ ही फसलों के अवशेष जलाना पर्यावरण को जानबूझकर नष्ट करना है, लेकिन अभी भी हालात के जस के तस हैं। पहले तो राज्यों ने इसे समस्या मानने से ही इन्कार किया। जब सुप्रीम कोर्ट के साथ एनजीटी की सख्ती बढ़ी तो वे बहाने बनाने में जुट गए। यह आश्चर्यजनक है कि वे अभी भी ऐसा कर रहे हैं।

कांग्रेस की बल्ले-बल्ले

नांदेड़-वाघाला महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में बुधवार को हुए महानगरपालिका चुनाव के रिजल्ट लगभग घोषित हो चुके हैं। कांग्रेस ने सबको हैरान करते हुए 81 सीटों में से 69 सीटों पर अपना कब्जा जमाया है। वहीं बीजेपी के खाते में सिर्फ 6 सीटें गईं हैं। जबकि शिवसेना को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा है। कुछ सीटों पर अंतिम परिणाम आने अभी बाकी हैं। वहां भी कांग्रेस के उम्मीदवार ही आगे चल रहे हैं। इन चुनावों में प्रभाग क्रमांक 02 में प्रायोगिक तौरपर वीवीपैट मशीन (वोटर वेरिफायबल पेपर ऑडिट

ट्रेल) का प्रयोग किया गया था। कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाली नांदेड़ वाघाला महापालिका चुनाव में बीजेपी ने इस बार कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी है। लेकिन ज्यादातर जगहों पर वह इस टक्कर को जीत में बदल नहीं सकी। वहीं यह चुनाव कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अशोक चव्हाण के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बना हुआ था। केंद्र और महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसेना इस बार बीजेपी से अलग होकर चुनाव लड़ रही थी। शिवसेना ने पिछली बार 12 सीटें जीती थी, लेकिन इस बार सिर्फ एक सीट मिली है। वहीं 11 सीटें जीतने वाली एमआईएम का सूपड़ा साफ हुआ है। 2012 के चुनाव में भी कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। पार्टी के 41 पार्षद चुनकर आए थे जबकि बीजेपी ने केवल दो सीटों पर कब्जा जमाया था।

578 उम्मीदवार मैदान में थे: महापालिका की कुल 20 प्रभागों ने 81 सीटों के लिए मतदान हुआ था। यहां कुल 891 प्रत्याशीयों ने नामांकन किया था। इनमें से 313 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसलिए 578 उम्मीदवार मैदान में थे। वीवीपैट का प्रयोग हो रहे प्रभाग क्रमांक 2 में 26 उम्मीदवार अपनी तकदीर आजमा रहे थे।

जीत पर चव्हाण ने क्या कहा?: कांग्रेस की जीत पर प्रदेशाध्यक्ष अशोक चव्हाण ने कहा, लोगों ने विकास के मुद्दे का समर्थन किया है। इस चुनाव में बीजेपी का गणित इसलिए बिगड़ा क्योंकि जो कभी बीजेपी के नहीं हो सकते थे ऐसे लोगो को भी उन्होंने इस चुनाव में अपनाया। चव्हाण ने नांदेड़ के लोगों का आभार जताते हुए कहा, लोगों ने मुझ पर और पार्टा के प्रति जो विश्वास जताया है उसे हम पूरा करेंगे।

एल्फिस्टन हादसा

दोषियों को सजा नही मिलेगी तो आंदोलन करता रहूंगा: वारिस पठान

मुंबई। एल्फिस्टन रोड रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को लेकर आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक एडवोकेट वारिस पठान ने रे रोड रेलवे स्टेशन पर रैली निकाली। यह रैली रेलवे प्रशासन और भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ थी। इस रैली में बड़ी तादाद में लोगों ने हिस्सा लिया। वारिस पठान ने इस मामले की हाई कमीशन जांच की मांग की है साथ ही एल्फिस्टन रोड हादसे के जिम्मेदारों पर मुकदमा दर्ज कर दोषियों को सजा मिले ऐसी मांग वारिस पठान ने की है, साथ ही वारिस पठान ने यह चेतावनी भी दी है कि यदि उनकी मांगे नही मानी गई तो वो आगे भी इस तरह के आंदोलन करते रहेंगे।

किताब

किताब जरूरी है पढ़ना
अगर हमें आगे है बढ़ना
इसका काम है राह दिखाना
और मंजिल तक पहुंचाना

कभी यह देती अंकों का ज्ञान
कभी सिखाती है विज्ञान
कभी कहती पुरखों की दास्तान
कभी कराती है आत्मज्ञान

कभी के कह चुटकुले हंसाती
कभी यह दर्द से रुलाती
कभी प्रकृति की गोद में टहलाती
यह है बड़ी महान हस्ती

है यह ज्ञान का भंडार
इस पर है सफलता का दारोमदार
यह है जादुई छड़ी
जो बदल दे हमारी छवि

है यह मां सरस्वती
और यह है गीता और कुरान
यह है हमको धर्म सिखाती
जात-पात में भेद ना रखती

उसके पास है हर कोई जवाब
चाहे हो कोई भी सवाल
इसको अपने करीब ही रखना
अगर समस्या का हल हो ढूंढना

है यह आत्मविश्वास बढ़ाती
अंधकार से रोशनी तक ले जाती
यह हम को इंसान बनाती
सबसे हमें सम्मान दिलाती

यह है रत्नों से भी मूल्यवान
इससे निर्माण होता है विद्वान
इससे मिलता है समाधान
आओ बनाएं खुद को प्रतिभावान

जब ना कोई संगी साथी
यह अपना मन बहलाती
यह है मनोरंजन की खान
बिना आत्मा के शरीर समान

माना युग आधुनिक है
तकनीकी विकास से भरपूर है
किंतु किताब की ना कोई तुलना है
जिसमें कुछ तो अपनापन सा है

तो आओ सभी प्रतिज्ञा ले
रोज नई किताब पढ़ ले
ज्ञान से जीवन को भर दे
और जिंदगी का आनंद लें

- अंजना परमार
एस.वी.पी. स्कूल
(के.ई.एस.) कांदिवली

(पृष्ठ 1 का शेष)

कितनी सस्ती हैं मुस्लिम लड़कियां?

उन्होंने इस मसले पर कई विद्वानजनों से बात की है। यह मसला है निकाह के समय तय की जाने वाली मेहर की रकम का। निकाह पढ़ाने वाले काजी शरीयत का हवाला देकर एक बहुत ही मामूली रकम रखकर मुस्लिम लड़कों अपनी बीवी से छुटकारा पाने का एक रास्ता बना देता है जिसक इस्तेमाल शौहर जब चाहे उसे भरकर बीवी से निजात पा लेता है। इस तरह निकाह के वक्त मेहर तो शरीयत के मुताबिक होता है लेकिन इसके बाद जो तमाम तरह के प्रोग्राम व जलसे, जिनमें लाखों रुपये खर्च किये जाते हैं, सिर्फ और सिर्फ फिजूलखर्ची और दिखावा का सबब बनते हैं। एक तरफ जहां प्रोग्राम व जलसा के नाम पर लाखों रुपये की फिजूलखर्ची व दिखावा का खेल तो दूसरी तरफ एक निर्बल, अबला, मासूल व प्यारी बच्ची के मेहर की मामूली रकम! यह कैसी फितरत है यह सरासर लडकी का शोषण है। यकीनन शरीयत में मेहर की व्यवस्था मासूल लड़कियों के हक और सुरक्षा के लिए की गई है लेकिन तथाकथित काजी, मुल्ला और उलेमाओं ने वर्तमान समय में उसे पुरुष वर्ग के लिए मनमर्जी और मनमौजी का रास्ता खोल रखा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस सुनहरे दौर में जहां बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओं का नारा देकर लड़कियों का भविष्य सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है तब उनके इस बदलते भारत में अब इस बात का भी प्रयास हो कि मेहर के नाम पर मुस्लिम लड़कियों की हकमारी भी बंद हो ताकि मुस्लिम लड़कियों को शोषण और खुदगर्जी से मुक्ति मिल सके। इसके लिए निकाह के समय ही यह भी करार हो की शौहर की सम्पत्ति में बीवी 50 प्रतिशत की हकदार होगी तब कहीं जाकर मुस्लिम लड़कियों का शोषण और मुल्ला, मौलवी, काजी और उलेमाओं की मनमर्जी पर बंदिश लग सकेगा। इसके लिए जरूरी है कि भारत सरकार भी इस बात पर गौर करे और मेहर की मेहरबानी और दिखावे की कहानी को खत्म करे।

आरुषि हत्याकांड

न्यायमूर्ति बी. के. नारायण और न्यायमूर्ति ए. के. मिश्र की युगलपीठ ने आरुषि तलवार और घरेलू सहायक हेमराज की हत्या के मामले में गाजियाबाद की विशेष सीबीआई अदालत के निर्णय के खिलाफ तलवार दंपति की अपील स्वीकार करते हुए उक्त आदेश पारित किया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद सीबीआई को बड़ा झटका लगा है। सीबीआई का कहना है कि उसे अभी फैसले की कॉपी नहीं मिली है। फैसले की कॉपी पढ़ने के बाद आगे सुप्रीम कोर्ट में अपील के बारे में विचार किया जाएगा। विशेष सीबीआई अदालत ने आरुषि और हेमराज की हत्या के मामले में तलवार दंपति को 26 नवंबर, 2013 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने कहा कि परिस्थितियों और रिकार्ड में दर्ज साक्ष्यों के मुताबिक तलवार दंपति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस तरह से उसने तलवार दंपति को सीबीआई अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया। तलवार दंपति की अपील स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि न तो परिस्थितियों और न ही रिकार्ड में दर्ज साक्ष्यों से आरुषि और हेमराज की हत्या में तलवार दंपति के शामिल होने की बात साबित हो रही है। अदालत ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के अभाव में यह एक ऐसा दुरुस्त मामला है जहां अपीलकर्ता को संदेह का लाभ दिया जा सकता है। अदालत ने इस तरह से दोनों अपीलकताओं को संदेह का लाभ देते हुए विशेष सीबीआई अदालत का 26 नवंबर, 2013 का फैसला निरस्त कर दिया। अदालत ने तलवार दंपति की अपील स्वीकार करते हुए उन्हें तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया। शुक्रवार को तलवार दंपति की जेल से रिहाई हो जाएगी। तलवार दंपति इस समय गाजियाबाद के डासना जेल में सजा काट रहे हैं। इससे पूर्व, सात सितंबर को उच्च न्यायालय ने आरुषि हत्याकांड मामले में राजेश तलवार और नुपुर तलवार की अपील पर सुनवाई पूरी करते हुये कहा था कि इस पर फैसला बाद में सुनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने राजेश तलवार और नुपुर तलवार की बेटी आरुषि और घरेलू नौकर हेमराज की हत्या में उन्हें दोषी करार दिए जाने के निर्णय को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई एक अगस्त को दोबारा शुरू की थी। पीठ ने कहा था कि सीबीआई के बयानों में पाए गए कुछ विराधाभासों की वजह से इस मामले की दोबारा सुनवाई की जायेगी। आरुषि 15 मई, 2008 की रात अपने कमरे में मृत पाई गई थी और उसका गला धारदार चीज से काटा गया था। शुरूआत में संदेह की सुईं हेमराज पर घूमी जो उस समय लापता था। लेकिन दो दिन बाद हेमराज का शव उस मकान की छत से बरामद किया गया था। अखबार की सुर्खियों में रहे इस मामले की ठीक से जांच नहीं करने को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस की तीखी आलोचना के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। 15-16 मई, 2008 की दरमियानी रात को आरुषि की लाश नोएडा में अपने घर में बिस्तर पर मिली। इसके बाद एक-एक कर इतनी नाटकीय घटनाएं सामने आईं कि पूरा मामला क्रिसी क्राइम थ्रिलर की फिल्म में बदल गया। इसमें अगले पल क्या होगा ये किसी को पता नहीं था। नोएडा के मशहूर डीपीएस में पढ़ने वाली आरुषि के कत्ल ने पास पड़ोस के लोगों से लेकर पूरे देश को झकझोर दिया था। सब कुछ इतने शातिर तरीके से अंजाम दिया गया था कि सोचना भी मुश्किल था कि आखिर कातिल कौन हो सकता है। कत्ल के फौरन बाद शक घर के नौकर हेमराज पर जाहिर किया गया। लेकिन अगले दिन जब हेमराज की लाश घर की छत पर मिली तो ये पूरा मामला ही चकरघिन्नी की तरह घूम गया। पुलिस हमेशा की तरह बड़बोले दावे करती रही कि जल्द ही डबल मर्डर का राज सुलझा लिया जाएगा।

बच्चों की खुशी से हमें संतोष व शांति

सुंदरी ठाकुर और दिलशाद एस. खान का आत्मबोध!

बच्चे भगवान का रूप होते हैं, उनमें भगवान बसते हैं, वे राष्ट्र की धरोहर हैं, वे भारत के भविष्य हैं, जैसी बातें हम सदियों से सुनते आए हैं। लेकिन इन बातों को महसूस किया है देश के कुछ चुनिंदा लोगों ने ही। जिनमें अभी फिलवक्त जो पहला नाम ध्यान में आता है वह नाम है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और दूसरा सुंदरी ठाकुर व दिलशाद एस. खान का। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक तरफ जहां बच्चों के उज्ज्वल भविष्य व उनके हित के लिए कई योजनाओं का श्रीगणेश किया तो वहीं दूसरी तरफ मुंबई की धरती पर बच्चों के हित का ख्याल रखा नारी सम्मान संघटन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर और दैनिक मुंबई हलचल के संपादक एवं प्रख्यात समाजसेवक दिलशाद एस खान ने। सुंदरी ठाकुर और दिलशाद एस खान के संयुक्त प्रयास से पिछले दिन मुंबई बालवाड़ी विद्यालय के बच्चों के बीच कई तरह के खाद्य पदार्थों का वितरण किया गया। इस अवसर पर बच्चों के चेहरे पर जो खुशी दिखाई दे रही थी कि उसका शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर नारी सम्मान संघटन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने कहा कि आज बच्चों के बीच आकर मैंने जो काम किया है उससे बच्चों के चेहरे पर काफी खुशी छाई थी और उन्हें खुश देखकर मुझे भी काफी संतोष और खुशी का एहसास हुआ। मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान ने कहा कि ये बच्चे ही भारत के भविष्य हैं। इसलिए इनकी जरूरतों को पूरा करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। जब यह खुश रहेंगे तभी इनमें नई नई कल्पनाओं का संचार होगा। नारी सम्मान संघठन के एडवाइजर वीरेंद्र मिश्रा, अध्यक्ष भाग्यश्री शर्मा, समाजसेवक आदिल खान ने भी इस अवसर पर अपने अपने उद्‌गार व्यक्त किए।

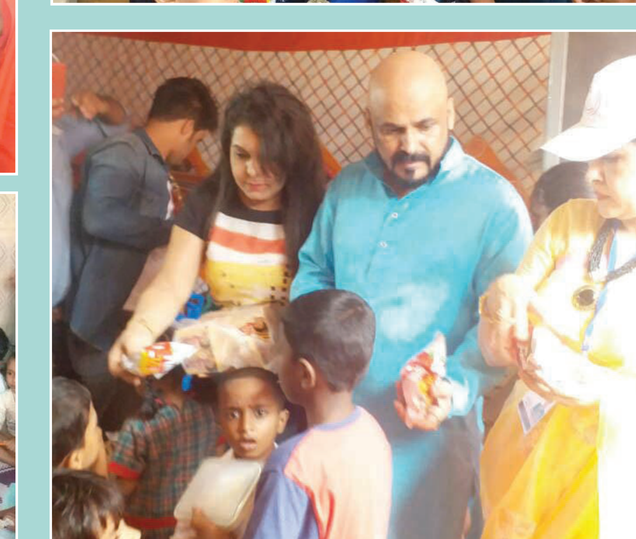

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कैदियों की कब्रगाह बन रहीं उत्तर प्रदेश की अधिकांश जेल

पांच साल में 2002 की मौत

आगरा। यूपी की जेलें कैदियों की कब्रगाह बन रही हैं। पांच साल में जेल की चहारदीवारी के भीतर दो हजार से अधिक कैदियों-बंदियों की जिंदगी का सूर्यास्त हो गया। वर्ष 2012 से जुलाई 2017 के बीच हुई मौतों का यह आंकड़ा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आगरा के आरटीआइ कार्यकर्ता नरेश पारस ने जुटाया है। प्रदेश में 62 जिला जेल, पांच सेंट्रल जेल और तीन विशेष कारागार हैं। जेलों में मरने वालों में नवजात बच्चे भी शामिल हैं। सीतापुर जेल में कुंदना पत्नी सुरजाना के एक साल के बेटे अनमोल ने इस साल दम तोड़ दिया। हरदोई जिला जेल में 24 मई 2013 को वंदना के छह महीने के पुत्र प्रिंस की मौत हुई। मथुरा जिला जेल में वर्ष 18 अक्टूबर 2014 को जुमराती के नवजात बच्चे एवं कानपुर देहात जेल में 18 सितंबर 2014 को रामकली के नवजात पुत्र की मौत हुई, जबकि वाराणसी जेल में रेखा के डेढ़ महीने के बेटे ने दम तोड़ दिया। मरने वालों में आधी संख्या विचाराधीन बंदियों की है।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदी

जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों का होना भी इतनी मौतों का प्रमुख कारण है। आगरा जिला जेल की क्षमता 1015 कैदियों की है, लेकिन यहां 2600 से ज्यादा कैदी निरुद्ध हैं। इसी तरह 1110 कैदियों की क्षमता वाले केंद्रीय कारागार में 1900 से ज्यादा बंदी हैं। टीबी और सांस की जेलों में कैदियों की होने वाली मौतों में बड़ी संख्या बुजुर्गों की हैं। इनमें ज्यादातर टीबी, दमा और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे। बैरकों में क्षमता से अधिक कैदियों के चलते टीबी जैसी बीमारी तेजी से फैलती है। जेलों सुधार के लिए गठित मुल्ला कमेटी की सिफारिशें 25 साल बाद भी धूल फांक रही हैं। इसमें जेल नियमावली में संशोधन के साथ ही कैदियों के पुनर्वास से संबंधित सिफारिशें की गई थीं, जिन्हें आज तक लागू नहीं किया गया।

केंद्र सरकार ने बिना किसी तैयारी के लागू कर दिया जीएसटी : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को भरोसा है कि समाजवादी पार्टी आने वाले दिनों में बहुत कुछ पाने की स्थिति में है। समाजवादी पार्टी के ऑफिस में डॉ. राममनोहर लोहिया की 50वीं पुण्य तिथि के समारोह के बाद उन्होंने मीडिया को भी संबोधित किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के हर निर्णय के लोग बेहद परेशान हैं। बिना किसी तैयारी के जीएसटी को लागू कर दिया गया। इससे हर वर्ष परेशान है। अब इससे परेशान व्यापारी वर्ग भी समाजवादी पार्टी के साथ है। छोटे के साथ ही बड़ा व्यापारी भी जीएसटी से परेशान हो गया है। अखिलेश यादव अपने परिवार की अनबन पर भी खुलकर बोले।

बांग्लादेशी नागरिक यूपी की सुरक्षा के लिए बड़ा खतराः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था को लेकर बेहद गंभीर है। लखनऊ में कानून-व्यवस्था की सुरक्षा के दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश में अवैध रूप से निवास कर रहे विदेशी नागरिकों विशेष तौर पर बांग्लादेशी को प्रदेश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्हें प्रदेश छोड़ने के लिए विवश किया जाए। उन्होंने सर्वे करके प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को बाहर भेजने का निर्देश भी दिया। उनके इस निर्देश को अवैध बांग्लादेशियों व रोहिंग्या मुसलमानों से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पुलिस और खुफिया विभाग के अफसरों से कहा है कि प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों खासतौर से बांग्लादेशियों को चिह्नित कर उन्हें वापस भेजा जाए। उन्होंने अफसरों से कहा कई वारदात में इनका हाथ है और ये राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं। उन्होंने प्रदेश में पीएसी की खत्म कर दी गई 73 कंपनियां फिर से गठित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अब एसओ से लेकर एडीजी जोन तक को प्रतिदिन पैदल गश्त कर जनता से संवाद स्थापित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। थानेवार संदिग्ध व्यक्तियों की सूची बनाकर उनकी निरन्तर निगरानी करें। उन्होंने कहा कि दीपावली एवं छठ पूजा में कोई भी अप्रिय घटना घटित हुई तो संबंधित पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े

इंडियन बैंक से 22 लाख लूटे

पटना। बिहार में बेखौफ अपराधियों ने एक बार फिर से लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। बाइक सवार अपराधियों ने शेखपुरा शहर के कटरा चौक स्थित इंडियन बैंक की शाखा से दिनदहाड़े हथियार के बल पर 22 लाख रुपये लूट लिये और फरार हो गए। बैंक की यह शाखा जिला मुख्यालय शहर में सबसे भीड़-भाड़ तथा व्यस्त मेन बाजार कटरा चौक पर स्थित है। इस घटना को अपराधियों ने बैंक खुलते ही दिन के साढ़े दस बजे मैनेजर पंकज कुमार तथा अन्य कर्मियों के साथ कुछ ग्राहकों को बंधक बनाकर बैंक के सेफ से 22 लाख 67 हजार रुपये लूट लिया। इस घटना को अंजाम देने में लुटेरों ने शाखा प्रबंधक पंकज कुमार तथा एक ग्राहक अनिल पांडेय को धारदार हथियार से वार कर जख्मी

भी कर दिया। इतना ही नहीं लुटेरों ने बैंक मैनेजर तथा बैंक में मौजूद अन्य कर्मियों के साथ घटना के समय बैंक में उपस्थित ग्राहकों के मोबाइल फोन भी छीन लिए। उसके बाद आराम से घटना को अंजाम देते रहे। यहां बता दें कि शेखपुरा जिले में हाल के वर्षों में बैंक लूट की इतनी बड़ी राशि की लूट की यह पहली घटना है। सबसे आश्चर्य वाली बात तो यह है कि शहर के सबसे व्यस्त इलाका में हुई इस बैंक लूट की घटना ने पुलिस की व्यवस्था को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। घटना के संबंध में बैंक मैनेजर ने बताया कि बैंक में अपना कोई सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं है। उन्होंने बताया कि जब अपराधियों ने घटना को अंजाम दे दिया। तो भागने के दौरान अपराधियों ने बैंक के मेन गेट में बाहर से अपना ताला बंद कर भाग निकले। बैंक लूट की इस घटना की पुष्टि करते हुए एसडीपीओ अमित शरण ने बताया कि घटना की सूचना के तुरंत बाद शहर से बाहर निकलने वाले सभी रास्तों को सील करके वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा पुलिस की कई टीम अधिकारियों के नेतृत्व में गठित कर ताबड़तोड़ संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

फुटबॉल को किक मारते हुए गिरे नीतीश के मंत्री

पटना। राजनीति के क्षेत्र में नीतीश कुमार के मंत्री भले ही माहिर हों लेकिन खेल के मैदान में फिसड्डी हैं, आज ये साबित हो गया है। दरअसल बिहार सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार 9 अक्टूबर को नालंदा जिले के राजगीर के आजाद शत्रु मैदान में राजगीर स्पोर्ट क्लब द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में उद्घाटन करने पहुंचे थे। मुख्य अतिथि होने के नाते उन्हें कार्यक्रम का उद्घाटन करना था और इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई थी। जैसे ही मंत्री जी उद्घाटन करने मैदान में पहुंचे लोगों ने तालियों से उनका जोरदार स्वागत किया। धोती पहनने वाले मंत्री जी ने भी अपनी कमर कस ली लेकिन जैसे ही उन्होंने फुटबॉल को किक मारी वो धड़ाम से जमीन पर गिर गए। एक पल तो लोगों को पता ही नहीं चला और लोगों ने तालियां बजानी शुरू कर दीं, लेकिन अगले हीपल लोगों को अहसास हुआ कि मंत्री जी ने जमीन पकड़ लिया है तो आयोजकों और स्थानीय लोगों ने उनकी मदद की और उन्हें जमीन पर से सहारा देकर उठाया।

यह है दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम, रखा जाता है फिल्मी सामान

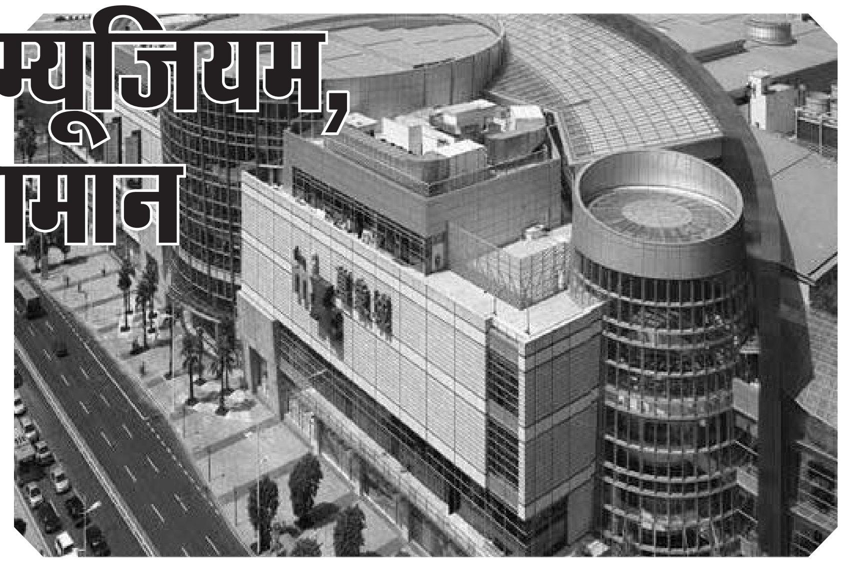

फिल्में देखना तो हर किसी को पंसद होता है लेकिन अगर आपको फिल्मी दुनिया से जुड़ा म्यूजियम देखने के मिल जाएं तो। आज हम आपको ऐसे ही एक म्यूजियम के बारे में बताने जा रहें है जहां पर फिल्में से जुड़ी चीजें रखी जाती है। आइए जानते है इस म्यूजियम के बारे में कुछ और बातें। 2005 चीन के बीजिंग में बनाए गए इस म्यूजियम में आपको फिल्मी जगत से जुड़ी हर चीज देखने को मिल जाएगी। इस जगहें में आपको फिल्म जगत से जुड़ी हर जानकारी मिल जाएगी। इस म्यूजियम में आप पूरे दुनिया की फिल्म कलेक्शन को देख सकते है।

यहां पर फिल्मों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी को इक्ट्ठा किया गया है। लगभग 65 एकड तक फैले हुए इस म्यूजियम को देखने के लिए कई फिल्मों के दिवाने आते है। यहां पर 1500 से भी ज्यादा फिल्मों के प्रिंट मौजूद है।

हर साल यहां पर लाखों का संख्या में टूरिस्ट आते है। अगर आप भी नई-पुरानी और एडवांस फिल्मों ले जुड़ी कोई भी जानकारी लेना चाहते है तो यह जगहें आपके लिए बेस्ट है। फिल्मों के अलावा इस म्यूजियम के आर्किटेक्चर भी कमाल का हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेषः मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत का फल मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। चिंता रहेगी। विवाद की आशंका रहेगी।

वृषः व्यस्तता रहेगी। आराम का अवसर नहीं मिलेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी। व्यर्थ के विवादों से दूर रहें।

मिथुनः यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। उन्नति होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न लें। आजीविका में उन्नति होगी।

कर्कः विवाद में न पड़ें। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। दूसरों से अपेक्षा न करें। जोखिम न लें। आलस्य हावी रहेगा।

सिंह लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेचैनी रहेगी। धन प्राप्ति के मार्ग मिलेंगे। प्रमाद न करें। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

कन्या योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। यात्रा सफल रहेगी। जल्दबाजी से बचें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुलाः राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। आवेश पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिकः वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन संबंधी समाधान निकलेगा।

धनुः प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। विवेक से कार्य करें। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

मकरः संपत्ति की खरीद-फरोख्त संभव है। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रिय समाचार मिल सकता है।

कुंभः रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। यात्रा सफल रहेगी। जल्दबाजी न करें। नवीन योजना के अवसर प्राप्त होंगे।

मीनः विवाद को बढ़ावा न दें। बुद्धि का प्रयोग करें। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। बुरी सूचना से चिंता बढ़ेगी। धैर्य रखें। मानसिक अस्थिरता बढ़ सकती है।

हनीमून को यादगार बना देंगे भारत के ये 5 खूबसूरत शहर

शादी के बाद सभी नए कपल हनीमून के लिए जाते हैं। हनीमून के दौरान वे एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं और साथ में खुशी के पल बिताते हैं। ऐसे में हनीमून के लिए जगह भी थोड़ी खास और शांत होनी चाहिए ताकि वहां जाकर अपने जीवनसाथी के साथ प्यार के दो पल बिता पाएं। वैसे तो भारत में घूमने लायक बहुत-सी जगहें हैं लेकिन हनीमून के लिए भारत की ये जगहें सबसे बैंस्ट हैं। आइए जानिए ऐसी ही कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में जहां आप अपने हनीमून को यादगार बना सकते हैं।

1. दार्जिलिंग

हनीमून के लिए दार्जिलिंग सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यहां की ऊंची पहाड़ियां, नदियां और ऊंचे देवदार के पेड़ इसकी खूबसूरती को और भी बढ़ा देते हैं। सितंबर महीने से लेकर अप्रैल तक का समय दार्जिलिंग घूमने के लिए बैस्ट है।

2. केरल

केरल की हरी-भरी वादियां भी आपके हनीमून को यादगार बना देंगी। यहां प्रकृति के नजारे के साथ-साथ समुद्री तट का भी आनंद ले सकते हैं। सर्दी के मौसम में यहां घूमने का अपना ही नजारा है।

3. गोवा

गोवा की सुंदर बीच और ऊंचे-ऊंचे नारियल के पेड़ आपके हनीमून को रोमांटिक बना देंगे। गोवा को वैसे भी हनीमून डेस्टिनेशन के नाम से जाना जाता है क्योंकि यहां ज्यादातर नए जोड़े ही जाना पसंद करते हैं।

4. उदयपुर

राजस्थान का उदयपुर शहर भी हनीमून कपल के लिए बैस्ट प्लेस है। यहां के खूबसूरत शाही महल, सुंदर बाग और झीलें इसकी खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं।

5. कूर्ग

यह एक खूबसूरत हिल स्टेशन है जो मैसूर से 100 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। इसकी खूबसूरती को देखते हुए इसे भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। कूर्ग का शांत माहौल हनीमून कपल के घूमने के लिए बैस्ट जगह है।

महिलाएं भी करती हैं पुरूषों की तरह दूसरी महिलाओं को नोटिस

माना जाता है कि महिलाएं लक्ष्मी का रूप होती है लेकिन आज हम आपको ऐसी बात बताने जा रहें है जिसे सुन कर आप भी हैरान हो जाएगें। हाल ही में हुई एक स्टडी में पाया गया है कि महिलाएं भी दूसरी महिलाओं के अंगो को ध्यान से देखती है। पुरूषों के मुकाबले महिलाएं दूसरी महिला को ज्यादा गौर से नोटिस करती है।

अक्सर आपने पुरूषों को ही महिलाओं को ध्यान से निहारते हुए देखा होगा लेकिन एक महिला भी दूसरी महिला को गोर से देखती है। हाल ही में हुए सर्वे में इस बात को सामने लाया गया है कि एक महिला भी दूसरा महिला को घूरने में पीछें नहीं है। पुरूषों के मुकाबले महिला ही दूसरी महिला को ज्यादा ध्यान

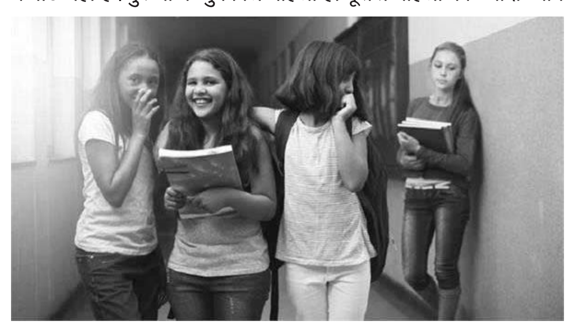

से देखती है। दरअसल एक महिला दूसरी आकृषित महिला की हिप्स, ब्रेस्ट और शेप पर ध्यान देती है। इसके अलावा वो दूसरी महिला की तुलना अपनी पर्सनेलटी से भी करती है।

हाल में हुए रिसर्च में बताया है कि पुरूष महिलाओं की आंखे, चेहरे और कमर को ही देखते है लेकिन महिलाएं दूसरी महिला को ड्रेसअप से लेकर मेकअप तक हर चीज को नोटिस करती है।

दोस्ताना! देखिए कहां तक जाती है मगर और मेढक की ये दोस्ती

पानी में मगरमच्छ से ज्यादा ताकतवर कोई और प्राणी नहीं होता है इसीलिए पानी में रहकर मगर से बैर नहीं करते है ये कहावत प्रसिद्ध है। वैसे बैर ना सही दोस्ती तो कर ही सकते हैं पर पानी में मगर से दोस्ती करना भी कोई आसान काम नहीं है। आपके सामने अगर अचानक से कोई मगरमच्छ आ जाए तो आप वहां भागेंगे नहीं गायब हो जाएंगे। वैसे सोशल मीडिया पर एक मगरमच्छ और मेंढक की दोस्ती वायरल हो रही है। तस्वीरों को देख आप अंदाजा लगा सकते हैं कि दोनो की दोस्ती कितनी पक्की है। यहां 5 मेढकों के परिवार ने बेहद खतरनाक मगरमच्छ की पीठ पर एकसाथ सवारी करने का लुत्फ उठाया।

फोटोग्राफर ने कैमरे में कैद किया हर पल

इस दौरान पूरा मेढक परिवार मस्ती के मूड में नजर आया। इस पूरे मजेदार किस्से को एक फोटोग्राफर ने अपने कैमरे में कैद किया है। वैसे ये मगरमच्छ बड़ा खतरनाक है। इंडोनेशिया के खारे पानी में रहने वाला यह मगरमच्छ 70 साल तक जीवित रह सकता है। सरीसृप प्रजाति के जीवों में यह सबसे विशाल होता है। कहा जाता है कि जो भी इसके क्षेत्र में जो भी जाता है वह जिंदा लौटकर नहीं जाता है। इस प्रजाति के मेल क्रोकोडाइल 6 मीटर लंबे तक होते हैं। इंडोनेशिया के फोटोग्राफर टैंटो येनसेन ने ये फोटो खींचे। जब उन्होंने फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए तो कुछ ही घंटो में उनकी पोस्ट वायरल हो गई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोते वक्त खाएं भुना हुआ लहसुन, कैंसर से लेकर ब्लड प्रैशर तक हो जाएगा गायब

लहसुन का इस्तेमाल सब्जी बनाते समय किया जाता है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है ब्लकि शरीर को कई तरह के पोषक तत्व भी देता है। वहीं अगर रोज रात को सोते वक्त भुना हुआ लहसुन खाया जाए तो इससे कई तरह की बीमारी दूर होती है। हम उन्हीं बीमारियों के बारे में बताने जे रहे है जिनमें भुना हुआ लहसुन काफी फायदेमंद साबित होता है।

भुना हुआ लहसुन खाने के फायदे:

– भुना हुआ लहसुन बढ़े हुए कॉलेस्ट्राल को कम करता है और ह्रदय को स्वस्थ रखता है।

– शरीर में मौजूद सभी विषैले पदार्थों को यूरिन के जरिए बाहर निकालता है।

– इसके अलावा सोते वक्त लहसुन खाने से हड्डियां मजबूत होती है। बढ़ती उम्र के लोगों के लिए यह काफी कारगर साबित होता है।

– भुना हुआ लहसुन खाने से शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

– शरीर के अंदर उत्पन्न होने वाली कैंसर की कोशिकाएं खत्म हो जाती है।

– रोजाना भुने हुए लहसुन का सेवन करने से हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ जाता है और मोटापा कम होता है।

– लहसुन खाने से शरीर में किसी भी प्रकार का संक्रमण नहीं होता है। अगर हो भी जाए तो लहसुन का सेवन करें। यह 6 घंटे में अपना असर दिखाना शुरू कर देगा।

– भुने हुए लहसुन में ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के गुण होते है। अगर आप भी ब्लड प्रैशर के मरीज है तो भुने हुए लहसुन का सेवन करें।

– इससे सांस से जुड़ी सभी प्रॉबल्म दूर हो जाती है। जिन लगों को सांस लेने में दिक्कत आती है। उनके लिए भुना हुआ लहसुन काफी फायदेमंद है।

– जिन लोगों को भूख कम लगती है। उनके लिए भने हुए लहसुन की एक कली भी वरदान साबित होती है।

– अगर पेट में एसिड बनता है तो लहसुन का सेवन करें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

दांतों में नहीं लगेगा कीड़ा और पीलापन भी हो जाएगा दूर

मार्कीट में तो आपको कई महंगे-महंगे टूथपेस्ट मिल जाएगे जो दांतों को चमकाने का दावा करते है लेकिन इनका कोई फायदा दिखाई नहीं देता है। दूसरा इनमें कई कैमिकल्स मौजूद होते हैं जो दांतों को नुकसान पहुंचाते है। ऐसे में कई लोग टूथपेस्ट की बजाए पुराने दंत-मंजन या अमरूद और नीम की दांतन कर लेते है। अगर आप भी कैमिकल्स से भरपूर टूथपेस्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहती है तो हम आपको नैचुरल टूथपेस्ट बनाने के बारे में बताएंगे, जिससे दांत मजबूत, सफेद और बैक्टीरिया मुक्त रहेंगे।

सामग्री

-3 बड़े चम्मच नारियल तेल
-3 बड़े चम्मच बेकिंग सोडा
-1 बड़ा चम्मच नीम पाउडर
-1 बड़ा चम्मच जाइलिटॉल
-1-2 बूंदे पेपरमिंट सुंगधित तेल

बनाने का तरीका

1. एक छोटे कंटेनर में सभी सामग्री को डाल दें।
2. इन्हें पैस्ट की तरह मिलाएं।
3. फिर इस पेस्ट को पॉपसिक्ल स्टिक या चम्मच की मदद से दांतों पर लगाएं।
4. फिर ब्रश की मदद से दांतों पर रगड़ें के बाद पानी से साफ करें।

टूथपेस्ट में मिलाई गई सभी सामग्री का अपना अलग-अलग फायदा है जैसे- नारियल तेल दांतों में लगे कीड़ों को खत्म करने का काम करता है। इसके अलावा नारियल तेल कैविटी को बुलावा देने वाले कारणों में रोक-थाम भी करता है। वहीं बेकिंग सोडा दांतों को नैचुरल तरीके से सफेद बनाता है। नीम को अच्छा रोगाणुरोधी माना जाता है। जाइलिटॉल मॉउथ फ्रैशनर और मसूड़ों का सूजन दूर करने में सहायक है।

रोजाना करें करी पत्ते का सेवन, कई बीमारियां होगी दूर

करी पत्ते का इस्तेमाल खाने में स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन खाने के अलावा करी पत्ते का इस्तेमाल कई बीमारियों को दूर करने के लिए भी किया जाता है। इसमें मौजूद औषधीय गुण ब्लड शुगर और अपच जैसी बीमारियों को दूर करने में मदद करते है। आइए जानते है इसके फायदें।

1. अपच से राहत

कई बार तीखा खाना के कारण अपच की समस्यां हो जाती है। इस समस्यां से छुटकारा पाने के लिए घी गर्म करके उसमें जीरा, करी पत्ता, डेढ़ चम्मच सोंठ और थोड़ा सा पानी उबाल कर ठंडा करके पी लें। आप चाहें तो इसे पीने के बाद हल्का सा शहद चाट सकते है।

2. सीने का कफ

बदलते मौसम के कारम नाक और सीने में कफ हो जाता है। इसके लिए 1 टीस्पून करी पाउडर में 1 टीस्पून शहद मिला कर पेस्ट बना लें। लगातार दो दिन तक इसका सेवन करें।

3. ब्लड शुगर

ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना परी पत्ते का पानी उबाल कर पीएं। इसके अलावा ये काढ़ा आपको एनीमिया और दिल की बीमारियों से भी बचाता है।

4. मोटापा

इसमें मौजूद एंटी- बैक्टीरियल और एंटी-फंगल आपका नेचुरल तरीके से मोटापा कम करने में मदद करता है। दिन में दो बार इसके काढ़े का सेवन करने से कुछ ही हफ्तों में आपका वजन कम हो जाएगा।

5. पीरियड्स

पीरियड्स दर्द से छुटकारा पाने के लिए करी और नीम पत्ते पाउडर को सुबह गुनगुने पानी के सात सेवन करें। आपका दर्द कुछ ही सैंकेंड में गायब हो जाएगा।

फेक नेल्स नहीं, अब अपने ही नाखूनों को बनाएं सुंदर और मजबूत

आज के समय में सुंदर दिखने के लिए लड़कियां क्या कुछ नहीं करती। ब्यूटी पार्लर से लेकर शॉपिंग तक घंटों समय लगाती है, ताकि खुद को परफेक्ट दिखा सकें। यहां तक की जिन लड़कियों के नेल्स नहीं बढ़ते वह फेक नेल्स लगवाकर अपने हाथों को खूबसूरत बनाती हैं। लेकिन फेक नेल्स आपको कहीं किसी जगह धोखा दे सकते हैं। ऐसे में आप अपने ही नेल्स को सुंदर और मजबूत बना सकती हैं।

आईए जानते हैं कैसे:-

☞ ग्रीन टी नाखूनों को हेल्दी बनाएं रखने में मदद करती हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट नाखूनों को कमजोर होने से बचाते हैं और पीलेपन की समस्या से भी छुटकारा दिलाते हैं। इसके लिए गुनगुनी ग्रीन टी में 10-15 मिनट के लिए नाखूनों को डुबोकर रखें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें।

☞ टी ट्री ऑयल में मौजूद एंटीसेप्टिक गुण नाखुनों को फंगस से बचाते है और इसके रंग को बरकरार रखते है। एक कटोरी गर्म पानी में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें डालें। फिर नाखूनों को 3 मिनट के लिए इसमें डालकर रखें।

☞ ऑलिव ऑयल नाखूनों को मॉइस्चराइज करके उन्हें मुलायम बनाता है। इसके लिए हल्के गर्म ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मसाज करें या फिर नाखूनों के ऊपरी हिस्से को कुछ देर के लिए गुनगुने तेल में डुबाकर रखें और 15 मिनट बाद हाथ धो लें।

☞ विटामिन ई ऑयल नाखूनों को हाइड्रेट और हेल्दी बनाता है। रोज रात को सोने से पहले इस तेल से नाखूनों और हाथों की मसाज करें।

युवी की वापसी पर फिर संकट

यो-यो टेस्ट में हुए फेल, अश्विन-पुजारा पास

बंगलुरु। सिक्सर किंग युवराज सिंह के लिए भारतीय टीम में वापसी के रास्ते धीरे-धीरे बंद होते जा रहे हैं। बंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकादमी में हाल ही में हुए फिटनेस टेस्ट में युवराज फेल हो गए हैं। यो-यो टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा और रविचंद्रन अश्विन पास हो गए हैं। खबर के अनुसार, मंगलवार को हुए फिटनेस टेस्ट में कई खिलाड़ियों का टेस्ट हुआ था। जिसे युवराज पास करने में नाकाम रहे। इससे पहले भी युवराज और सुरेश रैना इस टेस्ट को पास नहीं कर पाए थे, जिसके कारण उनका टीम इंडिया में चयन नहीं हो पाया था। युवराज सिंह अब पंजाब की ओर से रणजी मैच खेल सकते हैं। ये मैच 14 अक्टूबर को शुरू होगा।

टीम से बाहर चल रहे रवि अश्विन ने तो टेस्ट पास करने की खुशी का ऐलान ट्विटर पर भी किया। उन्होंने लिखा कि बंगलुरु की ट्रिप काफी अच्छी रही, यो-यो टेस्ट को 'डन एंड डस्टड' कर दिया है। अब यो-यो टेस्ट को भी समझ लें। कई 'कोन' की मदद से 20 मीटर की दूरी पर दो पंक्तियां बनाई जाती हैं। एक खिलाड़ी रेखा के पीछे अपना पांव रखकर शुरूआत करता है और निर्देश मिलते ही दौड़ना शुरू करता है। खिलाड़ी लगातार दो लाइनों के बीच दौड़ता है और जब बीप बजती है तो उसने मुड़ना होता है। हर एक मिनट या इसी तरह से तेजी बढ़ती जाती है।

हार्दिक पांड्या को अभी और वक्त देने की जरूरत : इरफान पठान

नई दिल्ली। 'स्विंग का सुल्तान' नाम से मशहूर रहे पूर्व भारतीय टेस्ट गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर थोड़ा और समय देने की आवश्यकता है। पठान ने कहा कि हार्दिक पर फिलहाल किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। 'क्रिकेट अकादमी ऑफ पठान्स' और मोबाइल कंपनी-ओप्पो के बीच हुए करार के समारोह में आए इरफान पठान ने कहा, हार्दिक भारतीय टीम में एक बैटिंग आलराउंडर की भूमिका निभा रहे हैं और मैं भी उन्हें एक बैटिंग आलराउंडर के रूप में ही देखता हूं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें थोड़ा और समय देने की आवश्यकता है। हमें पांड्या को खुल के खेलने देना चाहिए।' पठान ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम के मौजूदा प्रदर्शन पर कहा, 'मैं समझता हूं कि भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों ही क्षेत्र में भारत की टीम आस्ट्रेलिया पर भारी पड़ी और इस सीरीज में भारतीय टीम ने मेहमानों को चारों ओर से घेरकर मारा है।'

सचिन से ही प्रेरित होकर खेलूंगी 2021 वर्ल्ड कप: मिताली राज

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। इसमें उनकी मेहनत और रनों की भूख सबसे बड़ा कारण है। लेकिन इस लंबे सफर में मिताली को यहां तक पहुंचाने में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बल्ले का भी रोल है और मिताली को लगातार खेलने के लिए प्रेरित करने के लिए सचिन के शब्दों का भी। सचिन ने एक समय मिताली को बल्ला तोहफे में दिया था और मिताली ने उस बल्ले खूब रन बनाए। मिताली के साथ अभी भी वह बल्ला है। उनका कहना है कि सचिन को उन्हें अभी एक और बल्ला तोहफे में देना है। मिताली ने कहा, ऐसा भी मौका आया था जब सचिन ने मुझे अपना बल्ला तोहफे में दिया था। मैंने उस बल्ले से काफी रन बनाए। वो बल्ला अभी भी मेरे पास है। सचिन को अभी मुझे एक और बल्ला देना है। सचिन ने तुरंत कहा, मैं चाहता था कि ये न रुकें इसलिए बल्ला तोहफे में दिया। मैं बल्ला लेकर आया हूं और आपको दूंगा। 2021 का अगला महिला वर्ल्ड कप ज्यादा दूर नहीं है।

मिताली ने अपने अगले वर्ल्ड कप में खेलने की संभावनाओं को जिंदा रखने की असल वजह बताई और कहा कि वह सचिन के कारण ही प्रेरित होकर अगले वर्ल्ड कप की दौड़ में शामिल हैं। मिताली ने कहा, जब मैंने 6,000 रन पूरे किए थे तब सचिन सर ने मुझे बधाई दी थी और कुछ ऐसा कहा जो मुझे अभी तक याद है और हमेशा मेरे साथ रहेगा। सचिन ने कहा था कि हार नहीं मानना। अगर तुम्हें लगता है कि तुम कुछ और साल खेल सकती हो तो खेलना। जब मैं 2017 वर्ल्ड कप खेल कर लौटी तो मुझे सवाल किए गए कि क्या मैं अगला वर्ल्ड कप खेलूंगी या नहीं, इस सवाल को सुनकर मुझे सचिन सर की बात याद आ गई थी। मिताली ने कहा कि आईसीसी महिला वर्ल्ड कप फाइनल से पहले उन्होंने सचिन से टीम को प्रेरित करने की दरख्वास्त की थी जिसे इस महान बल्लेबाज ने मान लिया था।

दिल्ली में होगा फेयरवेल मैच

फिर नहीं खेलेंगे आईपीएल

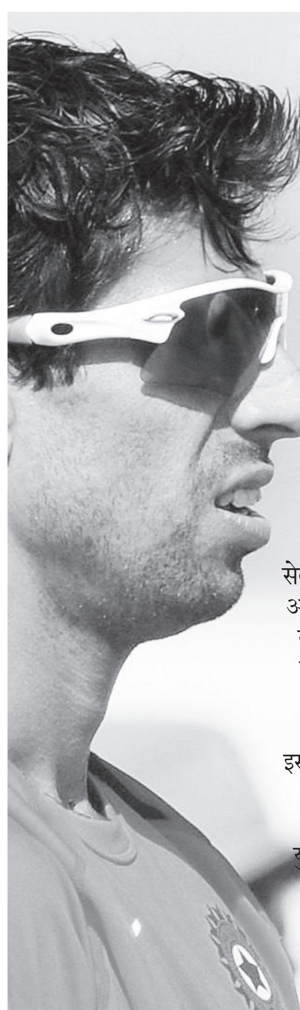

हैदराबाद। टीम इंडिया के बाएं हाथ के दिग्गज तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने घोषणा की है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एक नवंबर को होने वाले टी-20 मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। साथ ही उनके होम ग्राऊंड दिल्ली में खेले जाने वाला यह मैच उनका विदाई मैच होगा। नेहरा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी और निर्णायक टी-20 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ऐसे में रिटायर होना अच्छा लगता है जब लोग क्यो नहीं से ज्यादा क्यो सवाल पूछते हैं। मैने टीम मैनेजमेंट और चीफ सेलेक्टर एमएसके प्रसाद से बात की है। मेरे लिए घरेलू दर्शकों के सामने खेल को अलविदा कहने से बढ़कर कुछ नहीं होगा। नेहरा ने कहा, 'दिल्ली के फिरोजशाह कोटला के मैदान पर ही 20 साल पहले मैंने अपना पहला रणजी मैच खेला था। मैं हमेशा कामयाबी के साथ संन्यास लेना चाहता था। मुझे लगता है कि यह सही समय है और मेरे फैसले का स्वागत किया गया है।

38 साल के नेहरा ने हेड कोच रवि शास्त्री और कप्तान विराट कोहली को इस फैसले की जानकारी दे दी है। भारत और न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगा। इसके बाद 2018 में कोई टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होना है। नेहरा ने कहा कि अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवाओं को ही और मौके दिए जाना सही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह अब आईपीएल भी नहीं खेलेंगे। भारत के लिए 1999 में पहला मैच खेलने वाले नेहरा 117 टेस्ट, 120 वनडे और 26 टी20 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 44 टेस्ट, 157 वनडे और 34 टी-20 विकेट लिए हैं। उन्हें डरबन में 2003 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 23 रन देकर छह विकेट लेने के लिए याद रखा जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...तब मुझे दुख होता है: प्रियंका

बॉलीवुड एक्ट्रैस प्रियंका चोपड़ा ने खुद को फेमिनिस्ट बताते हुए कहा है कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि इस शब्द का मतलब पुरुषों को धमकाना या उनसे नफरत करना होता है। फेमिनिज्म का मतलब यह कि जो निर्णय मैं लेती हूं उसके आधार पर आंके बगैर मुझे अवसर दीजिए, जिसकी आजादी मर्दों को सदियों से मिली हुई है। फेमिनिज्म को मर्दों की जरूरत है। प्रियंका ने बताया कि वे तब निराश महसूस करती हैं, जब कोई फेमिनिज्म को नकारता है। उन्होंने कहा, मेरी बहुत-सी ऐसी दोस्त हैं, जो कहती हैं कि वो फेमिनिस्ट नहीं है। मैं यह समझ नहीं पाती हूं। फेमिनिज्म की जरूरत ही इसलिए है, क्योंकि महिलाओं को समान अधिकार नहीं थे। इसलिए यहां कोई मनुष्यवाद (huanis) नहीं है, क्योंकि उनके पास यह हमेशा से था। आगे वह कहती है कि मेरी परवरिश निडर बनने के लिए की गई थी। मेरे पिता मुझसे हमेशा कहते थे कि महिलाओं को हमेशा से सही तरीके से रहने, सही कपड़े पहनने या सही से बात करने को कहा जाता है। लेकिन मेरे माता-पिता हमेशा कहते थे कि हमें अपनी परवरिश में भरोसा है, तुम ठीक रहोगी।

जब बहन के लिए विद्या ने घोंट दिया था अपने प्यार का गला

बॉलीवुड एक्ट्रैस विद्या बालन ने हाल ही में एक्ट्रैस नेहा धूपिया के शो 'नो फिल्टर नेहा' पर अपनी निजी जिंदगी के कई राज खोले। इस शो में विद्या ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन के लिए इश्क की कुबार्नी भी दी थी। उन्होंने कहा, 'आपको पता है मैं शहीद की तरह महससू करती हूं क्योंकि जैसे ही मुझे पता चला कि वह असल में मेरी बहन को पसंद करता है और उन्होंने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया है तो मैंने सोचा शायद यह मेरा जीजा बन सकता है। फिर मैंने अपने प्यार का गला घोंटने का फैसला लिया।' बता दें कि विद्या जल्द ही फिल्म 'तुम्हारी सुलु' में नजर आने वाली हैं। सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की कहानी सुलोचना नामक एक महिला के ईद-गिर्द घूमती है जिसका शॉर्ट नाम सुलु है। वह आर.जे. है और अपने सहयोगी ऐंकर के साथ देर रात प्रसारित होने वाले एक कार्यक्रम को होस्ट करती है। विद्या इससे पहले 'लगे रहो मुन्ना भाई' (2006) में रेडियो जॉकी के रोल में नजर आ चुकी हैं। 'तुम्हारी सुलु' को हाल ही में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से 'यू' सर्टिफिकेट मिला है। पहले यह फिल्म 24 नवंबर को रिलीज होनी थी लेकिन अब यह 17 नवंबर को रिलीज होगी। 'यू' सर्टिफिकेट मिलने के बाद विद्या बालन के फैन्स अब फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऐश्वर्या की हमशक्ल अब करेगी वापसी

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की हीरोइन और ऐश्वर्या राय सी दिखने वाली स्नेहा उलाल का कल जन्मदिन था। उनका फिल्मी कैरियर फ्लॉप रहा है। लेकिन अब वह टीवी पर नई पारी शुरू करने वाली है। बता दें कि स्नेहा लंबे समय से ब्लड रिलेटेड बीमारी ऑटोइम्यून डिसऑर्डर से पीड़ित थीं, जो खून से संबंधित बीमारी है। इसकी वजह से वो ज्यादा वक्त तक खड़ी भी नहीं रह पाती थीं। अब खबर है कि रश्मि शर्मा प्रोडक्शन के अपकमिंग शो में वह सेक्स वर्कर के रूप में नजर आ सकती हैं। स्पॉटबॉय की खबर के मुताबिक, प्रोड्यूसर रश्मि शर्मा शो के लिए नए चेहरे की तलाश कर रही है। इन दिनों मेन लीड के लिए ऑडिशन चल रहे हैं।

जिसमें स्नेहा उलाल का नाम लिस्ट में सबसे आगे है। सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि इस रोल को रति पांडे और नेहा पेंडसे भी करना चाहते हैं। नए शो तवायफ के लिए रश्मि की पहली पसंद स्नेहा उलाल ही है। अगर सब कुछ सही रहा तो जल्द ही सलमान खान की ये हीरोइन टीवी पर नए और दमदार अंदाज में नजर आएंगी। छोटे पर्दे पर यह शो अब तक का सबसे बोल्ड शो होगा। जो पूरी तरह से महिला प्रधान होगा, इसमें नारी के सशक्त रुप को दर्शाया जाएगा।